Recently, official level talks have been held with the representatives from Leh and Kargil Districts of Ladakh Region in May and June, 1992. The Government considers that communal amity, preserving identity of Ladakh, and setting up of suitable institutional arrangements to meet the aspirations of the people of this remote border region are all important requisite for a lasting solution.

राष्ट्रीय राजमार्गों की दशा में सुधार किया जाना

*207. **श्री विनोद शर्मा :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री 26 फरवरी, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 384 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों की दशा में सुधार करने के लिए लगभग 2,300 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का अनुमान है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस पूंजीगत निवेश से देश का ईंधन की खपत में प्रति वर्ष 500 करोड़ रुपए की बचत करने में मदद मिलेगी, और

(ग) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ग) योजना आयोग द्वारा 8वीं पंचवर्षीय योजना के लिए गठित सडक संबंधी कार्य-दल ने राष्ट्रीय राजमार्गों के सुधार के लिए 8300 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के प्रस्तावों की सिफारिश की थी जिससे ईंधन सहित वाहन प्रचालन लागतों में 2300 करोड़ रुपये का संभावित बचत होगी । तथापि, योजना आयोग ने 8वीं योजना के लिए केंद्रीय सेक्टर/केंद्र द्वारा प्रायोजित स्कीमों के लिए जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल है, केवल 2600 करोड़ रुपये का परिव्यय अनुमोदित किया है । ईंधन उपयोग सहित वाहन प्रचालन लागतों में वास्तविक बचत, योजनावधि, के दौरान आवंटित राशि और किए जाने वाले सुधार कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करेगी ।

दिल्ली में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि

*208. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में दिल्ली में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हो गयी है ; और

(ख) यदि हां, तो उनके परिणामस्वरूप गत तीन महिनों के दौरान राजधानी में बम विस्फोट, हत्या और लूट पाट की कितनी घटनाएँ हुई हैं और सरकार ने उन्हें रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

गृह मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण) : (क) और (ख) गत तीन महीनों, अर्थात् 1-4-1992 से 30-6-1992 तक की अवधि के दौरान आतंकवादियों द्वारा लूट-पाट करने की कोई घटना नहीं हुई है। बम विस्फोट की पांच घटनाएं हुई हैं जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति मारा गया। गोली चलाने की दो घटनायें हुई जिसके फलस्वरूप, दो आतंकवादियों सहित, चार व्यक्ति मारे गए ।

राजधानी में आतंकवादियों गतिविधियों को रोकने के लिए किए गए उपायों में प्रत्येक जिले में एक आतंकवाद-विरोधी सैल गठित करना, संवेदनशील/सामारिक महत्व के स्थानों पर पुलिस टुकड़ियां तैनात करना, चलती-फिरती गश्त को तेज करना, लोगों को और सतर्क करने के लिए उनमें शिक्षाप्रद साहित्य का वितरण करना, भेदियों को तैनात करना, सार्वजनिक स्थानों पर ज्ञात आतंकवादियों को फोटो लगना, सामरिक महत्व के स्थानों पर पी.सी.आर. वाहन तैनात करना, तथा पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय बैठकें करना शामिल हैं ।